

Inhalt

I. Das Netz

| | |
|---|-----|
| 1. Von Cranz bis Utah Beach | 11 |
| 2. Warten auf den Kampf | 24 |
| 3. Südamerikaner in Brüssel | 34 |
| 4. »Heute nacht greifen die Deutschen an« | 41 |
| 5. Harry Piepe nimmt die Fährte auf | 50 |
| 6. Ein deutliches Lebenszeichen | 57 |
| 7. Berlin muß schweigen | 66 |
| 8. Treffpunkt Stalingrad | 75 |
| 9. Die Rue des Atrébates wird ausgehoben | 80 |
| 10. Die Bresche wird geschlossen | 90 |
| 11. Das Konzert geht weiter | 100 |
| 12. Die SS kommt zu Hilfe | 111 |
| 13. Eine neue Spur | 117 |
| 14. Die Professoren haben das Wort | 129 |
| 15. Überfall auf Amsterdam | 142 |
| 16. Gnadenstoß für Brüssel | 151 |
| 17. »Zu verkaufen« | 159 |
| 18. Eine Liebesgeschichte | 171 |
| 19. »Ruhig Blut« | 186 |
| 20. Das Ende der Berliner Gruppe | 201 |
| 21. In memoriam | 211 |

II. Der Grand Chef

| | |
|---|-----|
| 22. Die Belagerung der Simex | 227 |
| 23. »Wo ist Gilbert?« | 240 |
| 24. Das Sonderkommando schlägt zu | 259 |
| 25. Die Folter | 269 |
| 26. Schulze-Boysens letzter Kampf | 282 |
| 27. Das »Große Spiel« | 297 |

| | |
|---------------------------------|-----|
| 28. Sonne und Nebel | 312 |
| 29. Transport nach Berlin | 325 |
| 30. Das Schafott | 339 |
| 31. Das Duell Trepper – Giering | 361 |
| 32. Gejagt | 380 |
| 33. Rette sich, wer kann | 396 |

III. Die Zentrale

| | |
|--|-----|
| 34. Das Sonderkommando übersiedelt | 417 |
| 35. Eine Belgierin und ein Franzose | 431 |
| 36. Die Rückkehr des Helden | 442 |
| 37. »La victoire ...« | 445 |
| 38. Ein kleines Spiel | 463 |
| 39. Der Kriminalrat und sein Dolmetscher | 479 |
| 40. Züge haben manchmal Verspätung | 503 |
| Nachwort | 531 |

| | |
|------------------|-----|
| Anmerkungen | 545 |
| Quellen | 547 |
| Personenregister | 549 |